ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में इन भारतीय खिलाड़ियों पर रहेंगी पदक की सबसे बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली

23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्काटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल एक बार फिर दमदार प्रदर्शन के इरादे से उतरेगा। अनुभवी सितारों और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण वाली भारतीय टीम से कई स्पर्धाओं में पदक की उम्मीद की जा रही है। खासकर नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहैन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर देश की नजरें टिकी होंगी।

इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में 74 देशों और क्षेत्रों के तीन हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तैराकी, कलात्मक जिम्नास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग, नेटबाल, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और 3×3 बास्केटबाल समेत 10 खेल शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा पर फिर रहेंगी स्वर्ण पदक की उम्मीदें

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एक बार फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। उनसे स्वर्ण पदक की सबसे मजबूत उम्मीद मानी जा रही है।

मीराबाई चानू रच सकती हैं गोल्ड की हैट्रिक

भारोत्तोलन में भारत की स्टार खिलाड़ी मीराबाई चानू अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। ग्लासगो में वह लगातार तीसरा स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगी।

लवलीना बोरगोहैन से मुक्केबाजी में बड़ी आस

टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन लवलीना बोरगोहैन महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग में भारत की सबसे बड़ी पदक दावेदार होंगी। अपनी निरंतरता और अनुभव के दम पर उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद की जा रही है।

गुरिंदरवीर सिंह पर होगी सबकी नजर

भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस वर्ष 100 मीटर राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ते हुए 10.09 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रमंडल खेलों में वह पहली बार हिस्सा लेंगे और एथलेटिक्स में भारत के लिए पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। प्रणति नायक जिम्नास्टिक में करेंगी चुनौती पेश अनुभवी जिम्नास्ट प्रणति नायक कलात्मक जिम्नास्टिक में भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी। उनका लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक जीतकर इतिहास रचना होगा।

युवा खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

इन दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा सरवेश कुशारे और ज्ञानेश्वरी यादव जैसे युवा खिलाड़ी भी पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेंगे। उनसे भविष्य की मजबूत भारतीय टीम की नींव रखने वाले प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी करेगा। ऐसे में ग्लासगो में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन न केवल पदकों के लिहाज से अहम होगा, बल्कि अहमदाबाद 2030 की तैयारियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप: भारत की पुरुष और महिला टीमें अपराजेय

मस्कट (ओमान)। एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को एलीट पूल मुकाबलों में पुरुष टीम ने मेजबान ओमान और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराया, जबकि महिला टीम ने चीन के साथ मुकाबला ड्रा खेलने के बाद उज्बेकिस्तान को एकतरफा अंदाज में शिकस्त दी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 7-4 से पराजित किया। भारत की ओर से करण गौतम ने 5वें, 9वें और 19वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा राहुल यादव (3), प्रह्लाद राजभर (10), कप्तान केतन कुशवाहा (11) और रोमित पाल (11) ने एक-एक गोल किया। पाकिस्तान के लिए असलम मुहम्मद फरहान (6), अदील (8) और उस्मान मुहम्मद (10, 16) ने गोल किए। इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने मेजबान ओमान को 14-0 से करारी शिकस्त दी। कप्तान केतन कुशवाहा ने चार गोल (6, 11, 15, 20) दागे, जबकि आशीष तानी पूर्ति ने (1, 16, 19) हैट्रिक बनाई। राहुल यादव (2, 12) और शाहरुख अली (3, 13) ने दो-दो गोल किए। वहीं प्रह्लाद राजभर (9), करण गौतम (15) और रोमित पाल (18) ने भी गोल कर भारत की बड़ी जीत में योगदान दिया। वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने अपने दूसरे एलीट पूल मुकाबले में चीन के साथ 2-2 से ड्रा खेला। चीन के लिए चेन गे ने चौथे मिनट में बढ़त दिलाई।

सिडनी सिक्सर्स के मुख्य कोच बने मैथ्यू माट, दो साल का करार

सिडनी। आस्ट्रेलिया के अनुभवी कोच मैथ्यू माट को बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी सिडनी सिक्सर्स की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। 52 वर्षीय माट के साथ फ्रेंचाइजी ने दो साल का अनुबंध किया है। वह बीबीएल-16 से पहले यह जिम्मेदारी संभालेंगे। माट ने जेम्स होप्स की जगह ली है, जिन्होंने पिछले महीने क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के साथ दोहरी कोचिंग भूमिका स्वीकार करने के बाद पद छोड़ दिया था। मैथ्यू माट पिछले दो सीजन से सिडनी सिक्सर्स की पुरुष टीम के सहायक कोच थे। इसके बाद उन्होंने पिछले सीजन महिला टीम की कमान संभाली और टीम को डब्ल्यूबीबीएल चैलेंजर तक पहुंचाया। सिडनी सिक्सर्स इस सप्ताह महिला टीम के नए मुख्य कोच की घोषणा करेगी। मैथ्यू माट का कोचिंग करियर दो दशक से अधिक लंबा और बेहद सफल रहा है। उन्होंने 2022 से 2024 तक इंग्लैंड की पुरुष सीमित ओवर टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्य किया और जोस बटलर की कप्तानी में टीम को 2022 टी20 विश्व कप का खिताब दिलाया। इससे पहले वह 2015 से 2022 तक आस्ट्रेलिया की महिला टीम के मुख्य कोच रहे, जहां उनके मार्गदर्शन में टीम ने दो टी20 विश्व कप, 2022 महिला वनडे विश्व कप, चार एशेज सीरीज जीतीं और लगातार 26 वनडे मैच जीतने का विश्व रिकार्ड भी बनाया। नियुक्ति के बाद मैथ्यू माट ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं लंबे समय से सिक्सर्स परिवार का हिस्सा रहा हूं।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट के लिए नीयमों में किया बदलाव, जानबूझकर नो-बाल फेंकी तो मैच से बाहर होगा गेंदबाज

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेल क्रिकेट के नीयमों में बदलाव की घोषणा कही है। बोर्ड ने आगामी 2026-27 घरेलू क्रिकेट सीज़न के लिए खेल के नियमों में ये बदलाव इसे और बेहतर बनाने के लिए किये हैं। इसमें सबसे प्रमुख बदलाव ये है कि अगर कोई गेंदबाज जानबूझकर फ्रंट-फुट पर नो-बाल या नान-लैंडिंग गेंद करता है, तो उसे केवल उस पारी से नहीं, बल्कि पूरे मैच से निलंबित कर दिया जाएगा। ये बदलाव खेल की अखंडता और रणनीतिक दुरुपयोग को रोकने के लिए किये गये है। ये बदलाव मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की सिफारिशों को देखते हुए किया गया है। वहीं अब तक दोषी गेंदबाज को केवल उस पारी में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं होती थी। हालांकि, अब मैदानी अंपायर यदि यह निर्धारित करते हैं कि किसी गेंदबाज ने जानबूझकर फ्रंट-फुट नो-बाल या नान-लैंडिंग गेंदबाज की है, तो उसे उस पूरे मैच में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। यह कदम खेल में अनुचित लाभ उठाने के प्रयासों को रोकने के लिए उठाया गया है। वहीं दिन के खेल के समाप्त होने से जुड़े नियम में भी बदलाव किया गया है। अब से, यदि दिन के आखिरी ओवर के दौरान कोई विकेट गिरता है, तो खेल वहीं समाप्त नहीं होगा। इसकी जगह ओवर पूरा कराया जाएगा, जिससे नई बल्लेबाजी करने वाली टीम को दिन के अंत में क्रीज पर तुरंत आने की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह परिवर्तन खेल को और अधिक गतिशील बनाने में मदद करेगा। नियम 15.2 के तहत, अब किसी भी टीम को मैच की अंतिम पारी में पारी घोषित ने की अनुमति नहीं होगी।

टी-20 में जीत की राह पर लौटने उतरेगा भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अय्यर की अग्निपरीक्षा

हरारे

लगातार टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में पहली सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगे, जबकि युवा भारतीय टीम के सामने हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने शुरुआती सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छह मैच गंवाए हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद जिम्बाब्वे दौरा टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का सुनहरा मौका है। हालांकि भारत इस सीरीज में प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हार टीम के ड्रेसिंग रूम पर बड़ा असर डाल सकती है। इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण टीम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में टीम संयोजन और रणनीति पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें - युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके साथ अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि संजू सैमसन इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब का मैदान अभिषेक और वैभव दोनों के लिए खास रहा है। अभिषेक ने यहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और दूसरे ही मैच में शतक जड़ा था। वैभव ने इसी मैदान पर इस साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया था।

गेंदबाजी और मध्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती - हरारे की पिच पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और मदद मिलने की संभावना है। ऐसे में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

मध्यक्रम में उपकप्तान तिलक वर्मा की बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी चर्चा है। उन्हें नंबर-5 पर सफलता नहीं मिली है, जबकि ईशान किशन नंबर-3 की भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में रिंकू सिंह भी मध्यक्रम में मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। आलराउंडर संयोजन में हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से दो खिलाड़ियों का चयन करना टीम प्रबंधन के लिए आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाजी आक्रमण में मयंक यादव, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा और यश ठाकुर में से अंतिम संयोजन पर भी नजर रहेगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगरावा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, तफाद्जवा त्सिगा।

विश्व कप जीत के बाद भावुक हुए पेड्री और दानी ओल्मो, बोले यह सफलता पूरे स्पेन की

मैड्रिड

फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद स्पेन के स्टार फुटबालर पेड्री गोंजालेज और दानी ओल्मो ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा करते हुए उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि यह ऐतिहासिक सफलता पूरे स्पेन की है। स्पेन ने विश्व कप 2026 के फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर इतिहास रचते हुए अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब जीता। विश्व कप जीत के बाद राजधानी मैड्रिड सहित पूरे स्पेन में जश्न का माहौल रहा। हजारों प्रशंसकों के साथ जीत का उत्सव मनाने के बाद मिडफील्डर दानी ओल्मो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अब भी मेरे पास शब्द नहीं हैं। कल के जश्न में हमारे साथ शामिल होने और पूरे विश्व कप के दौरान लगातार हमारा साथ देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर पेड्री गोंजालेज ने भी भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, सबसे बड़ी सफलता मेरे अपने लोग हैं। हमने साथ मिलकर सपने देखे और साथ मिलकर यह सफर तय किया। फाइनल मुकाबले में अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निर्णायक गोल कर स्पेन को 1-0 की जीत दिलाई। निको विलियम्स के हेडर पर मिले पास को टोरेस ने गोल में बदलकर स्पेन को विश्व चैंपियन बना दिया। मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और लगातार गोल के मौके बनाए। हालांकि, अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने 12 शानदार बचाव कर अपनी टीम को लंबे समय तक मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अंतत: टोरेस के गोल ने स्पेन को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्पेन ने 16 वर्षों बाद फिर से फीफा विश्व कप ट्राफी अपने नाम की।

जूडो महाकुंभ स्टेट चैंपियनशिप में पदक जीत लौटे खिलाड़ियों का अभिनंदन

मुरादाबाद। लखनऊ में 15 से 20 जुलाई तक आयोजित जूडो महाकुंभ स्टेट चैपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के खिलाड़ियों का मंगलवार को स्वागत अभिनंदन हुआ। आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के निदेशक डा. विनोद कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में एकेडमी की अन्वी सक्सेना ने 30 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक, अधीरा टंडन ने 48 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक तथा ख्याति सिंह ने 70 किग्रा से अधिक भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अकादमी एवं जनपद का नाम रोशन किया। तीनों खिलाड़ी जूडो कोच मयंक कश्यप के मार्गदर्शन में नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस शानदार प्रदर्शन पर निदेशक डा. विनोद कुमार, डा. जी. कुमार, डा. गौरव कुमार, डा. गरिमा शर्मा, डा. अजय शर्मा, बास्केटबाल कोच मोहित चौधरी तथा स्केटिंग कोच शहवाज़ अली ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं जूडो कोच मयंक कश्यप को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

मेक्सिको के दिग्गज गोलकीपर गुइलेर्मो ओचोआ ने लिया संन्यास, 22 साल के करियर का हुआ अंत

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के महान गोलकीपरों में शुमार गुइलेर्मो ओचोआ ने मंगलवार को पेशेवर फुटबाल से संन्यास की घोषणा कर दी। 41 वर्षीय ओचोआ ने अपने 22 साल लंबे शानदार करियर को अलविदा कहा। उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। हालांकि इसके बाद उनके किसी नए क्लब से जुड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब उन्होंने उन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए ओचोआ ने कहा, मैंने अपना सबकुछ झोंक दिया। अपने क्लबों और राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और आज मैं अपने गोलकीपिंग ग्लव्स उतार रहा हूं। गोलकीपर होना यह जानना है कि शायद 90 मिनट तक आपको सिर्फ एक ही मौका मिले, जब सब कुछ आप पर निर्भर हो। और जब वह पल आए तो आप हिचकिचा नहीं सकते।

ओचोआ मेक्सिको की ओर से छह फीफा विश्व कप की टीम में शामिल होने वाले खिलाड़ियों में रहे। यह उपलब्धि केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी जैसे महान खिलाड़ियों के नाम भी दर्ज है। उन्होंने

2014 (ब्राजील), 2018 (रूस) और 2022 (कतर) विश्व कप में मेक्सिको के प्रथम पसंद गोलकीपर के रूप में जिम्मेदारी निभाई।

ओचोआ ने फरवरी 2004 में क्लब अमेरिका के लिए अपना पेशेवर पदार्पण किया। सात सीजन तक क्लब अमेरिका के लिए खेलने के बाद वह 2011 में फ्रांस के अजाक्सियो क्लब से जुड़े और यूरोप में खेलने वाले मेक्सिको में जन्मे पहले गोलकीपर बने। इसके बाद उन्होंने मालागा, ग्रेनाडा, स्टैंडर्ड लीज, सालेरनिताना, एवीएस फुटबोल और एईएल लिमासोल जैसे क्लबों का भी प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2019 से 2022 के बीच उन्होंने क्लब अमेरिका में वापसी भी की।

अपने विदाई संदेश में ओचोआ ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक सपना मुझे इतनी दूर तक ले जाएगा। आज मैं गर्व के साथ पीछे मुड़कर देख सकता हूं और सिर्फ इतना कहना चाहता हूं—धन्यवाद। मैं अपने साथ करोड़ों लोगों का प्यार और यह संतोष लेकर जा रहा हूं कि मैंने मेक्सिको के लिए अपना सबकुछ दिया। विश्व कप 2026 में वह मुख्य रूप से राउल रेंगेल के बैकअप गोलकीपर रहे, लेकिन मुख्य कोच जेवियर अगुइरे ने चेक गणराज्य के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच में उन्हें आखिरी 13 मिनट खेलने का मौका दिया। मुकाबले के बाद भावुक ओचोआ ने एस्टाडियो एज़्टेका के गोलपोस्ट को चूमा, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई थी। इसके बाद उन्होंने अपने साथियों से गले मिलकर विदाई ली और दर्शकों के जाने के बाद आखिरी बार मैदान के बीचों-बीच जाकर अपने यादगार सफर को अलविदा कहा। क्लब स्तर पर ओचोआ ने 2005 क्लाउरा में क्लब अमेरिका के साथ लीग खिताब और स्टैंडर्ड लीज के साथ बेल्जियन कप जीता। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने मेक्सिको को छह कानकाकाफ गोल्ड कप खिताब दिलाने में योगदान दिया और टोक्यो 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक भी जीता।

विश्व कप जीतकर 51 साल का इंतजार खत्म करना चाहते हैं : हरमनप्रीत

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि टीम का लक्ष्य 51 वर्षों से चले आ रहे एफआईएच हाकी विश्व कप खिताब के इंतजार को खत्म कर इतिहास रचना है। उन्होंने विश्वास जताया कि अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित संयोजन वाली भारतीय टीम विश्व कप में किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 में भारत को पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी।

हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पहले भारत के एकमात्र विश्व कप विजेता कप्तान अजित पाल

सिंह ने भी दो बार टीम का नेतृत्व किया था। उनके नेतृत्व में भारत ने 1971 में कांस्य और 1975 में विश्व कप खिताब जीता था, जो अब तक भारत का एकमात्र विश्व कप स्वर्ण है।

हरमनप्रीत ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। प्रो लीग के अंतिम चरण में हमारे प्रदर्शन ने दिखाया कि हम लगातार बेहतर हो रहे हैं। हमारी तैयारी अच्छी चल रही है और हम विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में निरंतरता सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा, हमें हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा, अपनी योजनाओं पर कायम रहना होगा और छोटी-छोटी गलतियों से बचना होगा। विश्व कप में हर अवसर का पूरा फायदा उठाना जरूरी है।

टीम की सबसे बड़ी चुनौती पर हरमनप्रीत ने कहा कि स्ट्राइकिंग सर्कल में आक्रामक और रक्षात्मक दोनों परिस्थितियों में प्रभावी प्रदर्शन करना बेहद महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि सर्कल में मिले हर मौके, चाहे वह पेनल्टी कार्नर हो, गोल पर शाट हो या अटैकिंग मूव, उसका अधिकतम लाभ उठाया जाए।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संयोजन पर उन्होंने कहा, टीम का संतुलन बहुत अच्छा है। हाल के मुकाबलों में हमने दुनिया की मजबूत टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। अनुभवी खिलाड़ी युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं और सभी का लक्ष्य एक ही है— विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना।

कप्तानी के दबाव पर हरमनप्रीत ने कहा, मेरे लिए बड़े टूर्नामेंट में पदक जीतना हमेशा व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण रहा है। 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना गर्व की बात है, लेकिन टीम की सफलता ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।